प्रकाशन तिथि : 01 अगस्त, 2024
प्रेषण तिथि : 04 अगस्त, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 10 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

एक परमेश्वर के अस्तित्व को स्वीकारना ही है आस्तिकता: संरक्षक श्री

(केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में मनाई गुरुपूर्णिमा)

पूरे संसार में, केवल भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशी लोगो ने भी गुरु परंपरा के महत्व को समझा है और वे सभी लोग आज गुरु पूर्णिमा मना रहे हैं। भारतीय परंपरा को जीवित रखने के लिए यह आवश्यक है। आज के दिन यह विचार हम सभी को करना चाहिए कि हम जो जीवन जी रहे हैं, क्या वह पर्याप्त हैं? भारतवर्ष के लोग आस्तिक होते हैं तो आप भी आस्तिक हैं। आस्तिक का अर्थ है अस्तित्व को स्वीकार करने वाला और अस्तित्व केवल एक परमेश्वर का है। बाकी सब नष्ट हो जाता है। इस बात को समझने की आवश्यकता है। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम मंदिरों में जाते हैं, भगवान की पूजा अर्चना करते हैं लेकिन विचार करेंगे तो आपको पता चलेगा कि यह केवल एक अंग है प्रार्थना का।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

संघ को केंद्र में रखेंगे तो बनेंगे प्रेरणा के केंद्र: संघप्रमुख श्री

(माननीय संघप्रमुख श्री का दो दिवसीय मुंबई प्रवास संपन्न)

श्री क्षत्रिय युवक संघ संगठन कम और जीवन-दर्शन अधिक है। यह जन्म-जन्मांतर तक किया जाने वाला कार्य है जो हमारे जन्म से पहले भी हो रहा था और बाद में भी होता रहेगा। हम संसार में अपने सारे कार्य करते हुए भी संघ कार्य ईमानदारी से करते रहें तो जीवन के परम लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। हम संसार के सारे भौतिक कार्य करें लेकिन संघ को केंद्र में रखें और संघ केंद्र में रहेगा तो हमारे इर्द-गिर्द प्रेरणादायक वातावरण निर्मित होगा, हम स्वयं सभी के लिए प्रेरणा के केंद्र बन जाएंगे। कलयुग में सतयुग जैसा दिव्य वातावरण बनाने का मार्ग और प्रयास है श्री क्षत्रिय युवक संघ। संघ धारा के विपरीत कार्य कर रहा है इसलिए कठिनाइयां तो आएंगी ही। उन कठिनाइयों से विचलित और निराश हुए बिना नियमितता और निरंतरता से कार्य करते रहें तो हम सफल जरूर होंगे। (शेष पृष्ठ 7 पर)

वरिष्ठ स्वयंसेवक शिवबख्श सिंह चुई का निधन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक शिवबख्श सिंह जी चुई

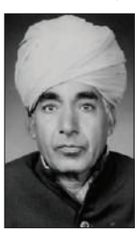

का देहावसान 28 जुलाई 2024 को 90 वर्ष की आयु में हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 258 शिविर किए जिनमें 63 उच्च प्रशिक्षण शिविर, 96 माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर, 80 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर और 19 विशेष शिविर शामिल हैं। जोधपुर के उम्मेद सागर में 23 से 27 सितंबर 1949 को आयोजित माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

चार शिविरों में 600 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

समाज की युवापीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण के उद्देश्य से श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा शिविरों का आयोजन निरंतर जारी है। इसी क्रम में 13 से 17 जुलाई तक 5 दिन की अवधि में गुजरात व राजस्थान में चार शिविर आयोजित हुए जिनमें 600 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। गुजरात के गोहिलवाड़ संभाग में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 15 जुलाई तक राजकोट स्थित हरभमजी राज गरासिया छात्रालय में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन प्रवीण सिंह धोलेरा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमने क्षत्रिय कुल में जन्म लिया है लेकिन हमारा क्षत्रियत्व सोया हुआ है। उसी सोये हुए क्षत्रियत्व को जगाने का काम श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। उन्होंने बताया कि क्षत्रिय धर्म का पालन करने के लिए शक्ति आवश्यक है

और वर्तमान युग में संगठन में ही शक्ति है। इसीलिए संघ एक-एक व्यक्ति तक पहुंचकर समाज को संगठित कर रहा है। आप भी इस संगठन की मजबूत कड़ी बनें, इसी उद्देश्य से इन शिविरों में ऐसे कठिन प्रशिक्षण से आपको गुजारा जाता है। शिविर में अवानिया, ढोलरा, वावड़ी, खीजडड़, कोटडा नायानी, अलमपर, गढ़ाडी, खंभाड़िया, पानध्रो आदि गांवों के 265 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। गुजरात में बनासकांठा जिले के नारोली गांव में स्थित श्री रविशंकर महाराज उत्तर बुनियादी विद्यालय के परिसर में भी श्री क्षत्रिय युवक संघ का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 13-14 जुलाई को आयोजित हुआ। महेंद्र सिंह गुजरावास ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि जो शिक्षण हमने यहां पर प्राप्त किया है, वह सार्थक तभी होगा जब हम उसे व्यावहारिक स्वरूप दें। हमारे आचरण में जो सिद्धांत ढल जाएंगे, वे ही दूसरों को भी प्रेरणा दे सकते हैं। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ उपदेश और प्रचार पर नहीं बल्कि सिद्धांतों के क्रियात्मक आचरण पर बल देता है। उन्होंने कहा कि अपने स्वयं के जीवन व्यवहार को बदलकर ही हम समाज में बदलाव का काम प्रारंभ कर सकते हैं। अपने आप को बनाए बिना किसी अन्य का निर्माण करना संभव नहीं है। इसलिए यदि हम समाज के प्रति अपने दायित्व का पालन करना चाहते हैं तो सबसे पहला और आवश्यक कार्य अपने स्वयं के चरित्र का निर्माण करना है। शिविर में मध्य गुजरात एवं उत्तर गुजरात संभाग के 70 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। बाड़मेर संभाग के बाड़मेर शहर प्रांत का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर बाड़मेर में गेहूं रोड स्थित आलोक आश्रम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित हुआ जिसका संचालन भगवान सिंह दूधवा ने किया। (शेष पृष्ठ 7 पर)

विभिन्न स्थानों पर विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन

जालौर संभाग के पाली प्रांत के सोजत मंडल में गुड़ा चतुरा स्थित पाबूजी महाराज मंदिर में सामूहिक यज्ञ एवं विशेष शाखा का आयोजन 14 जुलाई को किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोड़ता ने उपस्थित समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया एवं कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज में श्रेष्ठता का सृजन कर रहा है। यह श्रेष्ठता घर-घर तक पहुंचे, इसके लिए हम सभी को सक्रिय होना होगा। प्रांत प्रमुख महोब्बत सिंह धींगाणा ने बताया कि यह वर्ष संघ द्वारा शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसी कड़ी में आप के गांव में शाखा प्रारंभ करने के लिए यह आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में स्थानीय समाजबंधुओं के साथ केरखेडा, गुड़ा श्यामा, बड़ा गुड़ा, रायपुर, बगड़ी नगर शाखाओं के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं शामिल हुए। चंद्रदीप सिंह बड़ा गुड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया। रानीवाड़ा प्रांत के सुरावा मंडल में सेवाड़ा गांव में स्थित क्षेमकरी माता मंदिर में भी विशेष शाखा का आयोजन 14 जुलाई को किया गया जिसमें प्रांत प्रमुख प्रवीण सिंह सुरावा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। पोकरण क्षेत्र के महेशों की ढाणी गांव में भी विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन 14 जुलाई को किया गया जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने उपस्थित समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य तनसिंह जी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रांत प्रमुख नरपत सिंह राजगढ़ एवं दलपत सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में स्थानीय समाजबंधु मातृशक्ति सहित सम्मिलित हुए एवं सामूहिक यज्ञ के माध्यम से गांव की समृद्धि व एकता का संकल्प लिया। सिवाणा दुर्ग स्थित वीरवर कल्ला रायमलोत राठौड़ के स्मारक पर भी सामूहिक यज्ञ का आयोजन मां भगवती छात्रावास शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पूज्य तनसिंह जी की पुस्तक 'बदलते दृश्य' में कल्ला रायमलोत के शौर्य और बलिदान का वर्णत करने वाले प्रकरण 'स्वर्ग में स्वागत' का पठन भी किया गया।

गुड़ा चतुरा

महेशो की ढाणी

कच्छ जिले में संपर्क यात्रा का आयोजन

गुजरात के कच्छ जिले में 14 जुलाई को श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान शाम 5 बजे जूरा कैंप में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय युवा और बुजुर्ग मौजूद रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय, कार्यप्रणाली एवं वर्तमान समय में संघ की आवश्यकता के बारे में स्वयंसेवकों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। स्थानीय समाजबंधुओं ने समाजहित में मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया और निकट भविष्य में जूरा कैंप में श्री क्षत्रिय युवक संघ की साप्ताहिक शाखा प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। रात्रि 8 बजे दरबार बोर्डिंग भुज में बोर्डिंग में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं भुज शहर के युवाओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों और गृहपति से चर्चा के बाद बोर्डिंग में साप्ताहिक शाखा शुरू करने का निर्णय लिया गया। शहर से आए युवाओं ने भी भुज शहर में शाखा शुरू करने का निर्णय लिया। तीनों शाखाओं के लिए विभिन्न स्वयंसेवकों द्वारा दायित्व लिए गए। संपर्क यात्रा में गांधीधाम, मुंद्रा, मांडवी, रेहा, माधापार, भुज और वर्मानगर क्षेत्रों से स्वयंसेवक शामिल हुए।

झालावाड़ प्रांत में शाखा वर्ष संदेश यात्रा का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा यह वर्ष शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी निमित्त गोहिलवाड़ संभाग के झालावाड़ प्रांत में 11 से 14 जुलाई तक तीन दिवसीय शाखा वर्ष संदेश यात्रा का आयोजन किया गया। सुरेंद्रनगर स्थित शक्तिधाम कार्यालय से यह संदेश यात्रा प्रारंभ हुई एवं यात्रा में शामिल स्वयंसेवकों ने राजराजेश्वरी सोसायटी पहुंचकर वहां शाखा प्रारंभ की। दूसरे दिन यात्रा ओलक एवं डेरवाला गांव पहुंची जहां समाज बंधुओ के साथ बैठक की गई। दोनों स्थानों पर स्थानीय समाजबंधुओ ने शाखा प्रारंभ करने का दायित्व लिया। तीसरे दिन तावी, मोढवाणा और सवलाणा गांवों की यात्रा की गई जिसमें तीनों गांवों में स्थानीय समाजबंधुओ से चर्चा करके नियमित शाखा प्रारंभ करने का निश्चय किया गया। तावी गांव में सितंबर माह में लगने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक अजीत सिंह जी धोलेरा, भुरुभा मोढवाणा, राजेंद्र सिंह घणाद, छनुभा परछेगांव अन्य सहयोगियों सहित यात्रा में शामिल रहे।

नाडोल में एक दिवसीय शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

पाली प्रांत में नाडोल स्थित आशापुरा माताजी मंदिर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 28 जुलाई को हुआ। कार्यशाला में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय शाखा प्रभारी महेंद्र सिंह गुजरावास ने बताया कि संघ का कार्य बहुआयामी है। इन सब आयामों में सबसे महत्वपूर्ण और प्राथमिक इकाई शाखा है जिसमें हमें नियमित और निरन्तर संघ का शिक्षण प्राप्त होता है। उन्होंने कार्यशाला के अलग-अलग सत्रों में शाखाओं के प्रकार, शाखा के कार्यक्रम, शाखा में सहयोगियों के दायित्व आदि के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि शाखा में जाने से अपने जीवन में तो निखार आता ही है, इसी से हम समाज के सच्चे नागरिक बनेंगे। कार्यशाला में पाली प्रान्त की धींगाणा, दुगार्दास राठौड़ शाखा पाली, महाराणा प्रताप शाखा पाली, सिराणा, खिन्दारागांव, रानी, बाली, बोया, सारंगवास, पाबू जी महाराज गुड़ा चतुरा, केरखेडा शाखाओं सहित जालोर प्रान्त की विभिन्न शाखाओं के 59 शाखा प्रमुख, शिक्षण प्रमुख और विस्तार प्रमुख ने प्रशिक्षण लिया। जालौर सम्भाग प्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी, रानी सेवा समिति के अध्यक्ष महावीर सिंह गुड़ा भीम सिंह, हीर सिंह लोडता, कर्ण सिंह, मंगल सिंह बेड़ा, चौहान महासभा के अध्यक्ष प्रताप सिंह, खुमान सिंह दूदिया, मनोहर सिंह निम्बलीउडा, भंवर सिंह साठिका, बहादुर सिंह सारंगवास, जोरसिंह नाडोल सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

अनापुर छोटा (पालनपुर) में संपर्क बैठक का आयोजन

उत्तर गुजरात संभाग के पालनपुर प्रांत के अनापुर छोटा गांव में स्थित माताजी के मंदिर में 28 जुलाई को संपर्क बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ गांव में सितंबर माह में आयोजित होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में चर्चा की। शिविर से पूर्व क्षेत्र के 20 गांवों में संपर्क करने हेतु चार दल बनाकर उन्हें अलग-अलग गांवों के दायित्व सौंपे गए।

जाटोली चौहान गांव में किया संपर्क

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र संभाग में संपर्क यात्राओं व बैठकों के आयोजन के क्रम में 14 जुलाई को जाटोली चौहान गांव में स्थित आर्य समाज भवन में एक संपर्क बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 15 से 18 अगस्त तक गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के आयोजन का निर्णय भी लिया गया। सुरेंद्र सिंह, जनक सिंह, देवेंद्र सिंह, सुभाष सिंह, योगेंद्र सिंह सहित अनेकों स्थानीय समाजबंधु बैठक में शामिल हुए। दिल्ली संभाग प्रमुख रेवत सिंह धीरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मां सुन्धा माता के आशीर्वाद से हमारे देवल राजपूत समाज की होनहार

बाईसा नीतिराग देवल

पुत्री श्री गब्बर सिंह जी कलापुरा के

चार्टेड अकाउंटेंट

बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु

ठा. महेन्द्रपाल सिंह ठिकाना: चेकला	गणपत सिंह जी मालवाड़ा	झालम सिंह सिलासन (सहकारी समिति अध्यक्ष, मेड़ा)
जीवन सिंह पूरण	विक्रम सिंह रोड़ा	गुलाब सिंह उचमत
भंवर गोविन्दपाल सिंह ठिकाना: गजापुरा	भंवर सिंह विकणवास (सुन्धा ट्रेडिंग कम्पनी, सुमेरपुर)	समुन्द्र सिंह जाविया
नरेन्द्र सिंह जाविया	मुकन सिंह चेकला	गजेन्द्र सिंह जाविया

संपादकीय

दुष्प्रचार का उत्तर आवेश से नहीं, एकता से दें

हाल ही में राजस्थान विधानसभा में एक जातिवादी और कुंठित मानसिकता के राजनेता द्वारा जाति आधारित चुनावी राजनीति में अपने आप को प्रासंगिक बनाए रखने के उद्देश्य से 'ठाकुर का कुआं' शीर्षक की कविता पढ़कर राजपूत समाज के प्रति अपने द्वेष को प्रकट किया गया। कुछ ही समय पहले इसी कविता के माध्यम से देश की संसद में भी एक राज्यसभा सांसद द्वारा ऐसा ही प्रयास किया जा चुका है। घृणा आधारित साम्यवादी विचारधारा से प्रेरित एक सामान्य कोटि का लेखक, जो अपनी कविताओं में भारतीय संस्कृति के नायक भगवान श्रीराम को एक सत्तालोलुप हत्यारा बताता है, उसकी लिखी इस कविता को ऐसे कुंठित मानसिकता के राजनेता केवल इसलिए उद्धृत और प्रचारित करते हैं क्योंकि इसके बहाने उन्हें राजपूत समाज को निशाना बनाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ साधने का अवसर प्राप्त होता है। राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति हेतु राजपूत समाज के प्रति ऐसे द्वेषपूर्ण कृत्य कोई नई बात नहीं है बल्कि लंबे समय से चली आ रही श्रृंखला की एक कड़ी मात्र है। आजादी से पूर्व प्रजामंडल आंदोलनों के दौर से ही राजपूत समाज की गरिमा के हनन के इन कुत्सित प्रयासों की श्रृंखला प्रारंभ हो गई थी जो पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों, समाचार पत्रों, सिनेमा, राजनीतिक भाषणों और सोशल मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों से आज तक जारी है।

आखिर राजनीतिक स्वार्थ प्रेरित व्यक्तियों और सत्ता, शक्ति व प्रसिद्धि चाहने वाले तत्वों द्वारा राजपूत समाज के प्रति लंबे समय से किए जा रहे इस प्रकार के प्रायोजित और मिथ्या दुष्प्रचार का कारण क्या है? क्या इसका कारण अभाव जनित यह ईर्ष्या मात्र है कि राजपूत जाति सदैव शासक की भूमिका में रही और जो लोग शासन प्राप्त नहीं कर सके उनमें उनके प्रति ईर्ष्या का भाव बन गया। किंतु यदि ऐसा ही होता तो राजतंत्र को गए हुए तो पौन सदी से अधिक काल गुजर गया और इतने समय से तो सत्ता और संसाधनों पर उन्हीं लोगों का कब्जा है। तो फिर इस ईर्ष्या और द्वेष का कारण क्या है? इस द्वेष का वास्तविक कारण पूर्ववर्ती शासन व्यवस्था और शासकों के विकल्प के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करने वाले इन तथाकथित लोकनायकों की अयोग्यता और उस अयोग्यता के कारण उनके मन में उपजा भय व असुरक्षा ही है। वास्तविकता यह है कि जनता को सर्वेसर्वा मानने और उनकी सेवा के अनवरत दावों के बावजूद भी वे कभी भी जनता के हृदय में वैसा स्थान प्राप्त नहीं कर सके हैं जैसा सदियां बीत जाने पर भी क्षत्रिय नायकों को अभी तक भी प्राप्त रहा है। इसका कारण यही है कि उनके दावों में किंचित भी सत्यता जनता को दिखाई नहीं पड़ती। जनमानस अपने व्यापक स्वरूप में सरल अवश्य होता है परंतु मूर्ख नहीं। इसीलिए सभी तरह के नाटक करके भी आज के तथाकथित राजनेता जनता के हृदय में स्थायी स्थान नहीं बना पाते हैं। जो हर प्रकार के प्रयास करके भी पांच, दस और पंद्रह वर्ष तक भी जनाधार को अपने पक्ष में नहीं रख पाते हैं और सदैव इस भय में जीते रहते हैं कि जोड़-तोड़ कर प्राप्त किए गए इस अस्थायी जनाधार के साथ ही मिली हुई सत्ता भी उनसे छिटक नहीं जाए, उनके लिए यह स्वाभाविक ही है कि वे उन नायकों से और उनके वंशजों से द्वेष करें जिन्हें भारतीय जनमानस ने हजारों वर्षों तक अनवरत अपना शासक स्वीकार किया और आज भी जिन्हें सम्मान और कृतज्ञता के भाव के साथ उनके द्वारा स्मरण किया जाता है। स्वार्थी तत्वों द्वारा सभी तरह के दुष्प्रचार के बाद भी जनमानस में उन नायकों के गहरे प्रभाव को मिटाया नहीं जा सका है क्योंकि मनुष्य का यह स्वभाव है कि कोई उसका सामान्य सहयोग भी करता है, किसी काम आता है तो उसे वह स्मरण रखता है, उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखता है तो जिन्होंने उनके लिए अपने सिर कटाए हों, उनकी स्मृति और उनके प्रति कृतज्ञता को इतनी सरलता से मिटाया नहीं जा सकता। इसी कारण से हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान की जो छाप भारत के जनमानस पर अंकित है, विरोधी तत्वों द्वारा उसे मिटाने के प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं।

लेकिन यह इतिहास की बात है, हमारे पूर्वजों द्वारा जिए गए आदर्श जीवन और दिए गए सर्वोच्च बलिदानों की बात है। वर्तमान परिस्थितियों में हमारे समाज के विरुद्ध जो दुष्प्रचार किया जा रहा है, हमारे समाज की गरिमा और आत्मसम्मान पर आघात किए जा रहे हैं, उनका प्रतिकार केवल इतिहास के गौरवगान मात्र से नहीं किया जा सकता। वर्तमान की लड़ाई वर्तमान समय में, वर्तमान साधनों से और वर्तमान नियमों के अनुसार ही लड़ी जा सकती है और लड़ी जानी चाहिए। हमारे समाज के अपमान के इन प्रयासों पर हमारा उद्वेलित और आवेशित होना स्वाभाविक है लेकिन हमें यह स्मरण रखने की आवश्यकता है कि विरोधियों द्वारा यह प्रयास आवेश में आकर नहीं किए जा रहे बल्कि सोची समझी रणनीति के तहत योजनाबद्ध रूप से हमें आवेशित करने के लिए ही किए जा रहे हैं। उनका पूरा प्रयास यही है कि हम आवेश में आकर उस तरह का व्यवहार करें जिससे उनको अपने दुष्प्रचार को सही सिद्ध करने का कोई बहाना मिल सके। इसलिए हमें आवेश में आने की अपेक्षा विरोधियों की नीयत और चाल को समझते हुए उसमें फंसने से बचना होगा। विरोधियों को असली समस्या हमारे समाज की बढ़ती एकता, उस एकता से बढ़ते सामर्थ्य और इस सामर्थ्य की राजनीतिक अभिव्यक्ति से है। इसलिए उस संगठन और एकता के निर्माण में लगने की बजाय हम आरोप-प्रत्यारोप और अन्य समाजों से निरर्थक संघर्ष में उलझे रहें, अपनी ऊर्जा को व्यर्थ गंवाते रहें, यही हमारे विरोधी चाहते हैं। इसलिए ऐसे विरोधियों की वास्तविक पराजय इस बात में ही है कि हम उनके द्वारा बिछाए गए जाल में न फंसकर समाज को संगठित करने में लगे रहें और उस संगठित शक्ति के द्वारा ही उचित मंच पर उचित माध्यम से उनके दुष्प्रचार का खंडन करें। जो हमारे समाज को निशाना बनाकर स्वयं को चुनावी राजनीति में प्रासंगिक बनाए रखना चाहते हैं उन्हें उसी चुनावी राजनीति में हम अपनी संगठित शक्ति से अप्रासंगिक बना दें यही उनकी सबसे बड़ी पराजय होगी।

हम अपनी संगठित शक्ति से वर्तमान की लड़ाई में विरोधियों को परास्त करें, यह जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक यह भी है कि हम भविष्य के निर्माण को भी उतना ही महत्व दें। यदि हम ऐसा नहीं कर सकेंगे तो विरोधी तो बदलते रहेंगे लेकिन दुष्प्रचार का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा और कालांतर में यह दुष्प्रचार और अधिक प्रभावी होता रहेगा। इस दुष्प्रचार को निष्प्रभावी बनाने का उपाय है - हमारे पूर्वजों की ही भांति अपने श्रेष्ठ आचरण से जनमानस के हृदय में स्थान प्राप्त करना। यह तभी संभव होगा जब हम क्षात्रधर्म का पालन करते हुए त्याग और बलिदान की परंपराओं को पुनर्जीवित कर सकेंगे। इसी से हम उस भविष्य का निर्माण कर सकेंगे जो हमारे पूर्वजों द्वारा निर्मित इतिहास की ही भांति उज्जवल होगा और तब ठाकुर के कुएं से पोषण प्राप्त कर सभी उसी भांति कृतज्ञ अनुभव करेंगे जैसे पहले करते रहे थे और जिस कृतज्ञता के कारण ही हमारे पूर्वजों को ठाकुर अर्थात पालनहार की संज्ञा दी गई थी। इसीलिए हमें अपने इतिहास से प्रेरणा लेते हुए वर्तमान के संघर्ष से उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में जुटना होगा। जिस प्रकार इतिहास के गौरवगान में वर्तमान की निपट उपेक्षा नहीं की जा सकती, वैसे ही भविष्य की उपेक्षा करके वर्तमान के संघर्ष में भी सार्थकता नहीं लाई जा सकती। श्री क्षत्रिय युवक संघ ऐसा ही एक मार्ग है जिसमें इतिहास का गौरव और प्रेरणा भी है, वर्तमान के संघर्षों के लिए सामर्थ्य का निर्माण भी है और भविष्य के लिए दूरदर्शी योजना और संकल्प भी है। आएं, हम भी इस मार्ग के पथिक बनें और सामाजिक संगठन की श्रृंखला में एक मजबूत कड़ी बनकर जुड़ें।

जयपुर, सीकर व भीलवाड़ा में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशालाएं संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जयपुर टीम की दो दिवसीय कार्यशाला 20-21 जुलाई को श्री राम पैलेस, सांदरसर, जयपुर में आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ एवं इसके आनुषंगिक संगठनों श्री प्रताप फाउंडेशन एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि समाज की युवा ऊर्जा को सकारात्मक दिशादर्शन उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके अभाव में उस ऊर्जा का दुरुपयोग भी हो सकता है। समाज के युवाओं की क्षमता और प्रतिभा समाज के हित में ही प्रयुक्त हो, इसके लिए उनसे निरंतर संपर्क और संवाद स्थापित करना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहयोगियो ने भी अपनी बात रखी एवं जयपुर जिले में फाऊंडेशन की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में भवानी सिंह सांदरसर, सज्जन सिंह मानपुरा, रघुवीर सिंह छापरी, पूरण सिंह करीरी, अभिषेक सिंह बरनाला, जितेन्द्र सिंह बड़ी खाट्, महिपाल सिंह करीरी, गोपाल सिंह गुढ़ा बेरसल, दशरथ सिंह मारखेडा, उमराव सिंह पावटा, अभिमन्यु सिंह गुलगांव, सुरेन्द्र सिंह कोटपुतली,

बरसिंहपुरा

झालरा

जितेन्द्र सिंह बावड़ी, सुमेर सिंह खानडी, श्रवण सिंह खोराश्यामदास, मनदीप सिंह हुडील, माल सिंह पांचुडाला, ओंकार सिंह करड, शक्ति सिंह लोहरवाड़ा, गौरव सिंह धंधेऊ, विनोद सिंह लुनियावास, सौरव सिंह आमेर, सहदेव सिंह घोड़ीवारा, गोपाल सिंह खंगारोत, अजीत सिंह पलसाना, अजीत सिंह कंवरासा, देवेंद्र सिंह बुटाटी, सुरेन्द्र सिंह सांदरसर आदि ने अपनी बात रखी। फाउंडेशन के जयपुर जिला प्रभारी दीपेंद्र सिंह रोजदा सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के भीलवाड़ा जिले की आसींद व करेडा तहसील की दो दिवसीय कार्यशाला झालरा ग्राम में 27-28 जुलाई को आयोजित हुई जिसमें फाउंडेशन के चित्तौड़गढ़ जिला प्रभारी जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने फाउंडेशन के उद्देश्य के बारे में बताया। कार्यक्रम में आसींद व करेडा तहसील में फाउंडेशन की गतिविधियों पर चर्चा की गई और कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की। फाउंडेशन के भीलवाड़ा जिला प्रभारी विक्रम सिंह झालरा, कर्मवीर सिंह किड़ीमाल, रणजीत सिंह झालरा, गोपाल सिंह कोटड़ी, रघुनाथ सिंह चैनपुरा, शक्ति सिंह केरिया खेड़ा, करतार सिंह पड़सोली, चंद्रपाल सिंह चितंबा, मानवेंद्र सिंह भानास, जितेंद्र सिंह आसींद, योगेंद्र सिंह रूपाहेली, गोपाल सिंह गंगलास, राम सिंह बडू, प्रह्लाद सिंह कोशीथल, माहिरवर्धन सिंह अंटाली सहित स्थानीय समाज बंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

27-28 जुलाई को ही फाउंडेशन की सीकर व नीमकाथाना जिला टीम की भी दो दिवसीय कार्यशाला बरसिंहपुरा गांव में स्थित श्री राजपूत सभा भवन में आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यशाला में उपस्थित सहयोगियों से चर्चा करते हुए कहा कि हमारे शौर्य, तेज, समर्पण, सहयोग, पारिवारिक भाव, तपस्या, त्याग, स्वाभिमान, अपनापन आदि संस्कार विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के के कारण क्षीण हुए हैं और इसी का कारण है कि हमें समाज में विभिन्न समस्याएं व अभाव नजर आता है। इन अभावों और समस्याओं को स्थायी रूप से दूर करने के लिए उपरोक्त संस्कारों का सृजन करना पड़ेगा और वही काम श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2024 से 11.08.2024 तक	श्री कुलेटी माताजी मंदिर आजबर, तहसील - भीनमाल, जिला - जालौर, (रामसीन-जसवंतपुरा मार्ग पर बूगांव से आगे माता जी का दरवाजा है, वहां से 2 किलोमीटर दूर शिविर स्थल है। बसों की व्यवस्था है।) **संपर्क सूत्र** - अर्जुन सिंह देलदरी - 9828456333, राजेंद्र सिंह आकोली - 9929371996
02.	प्रा.प्र.शि.	16.08.2024 से 19.08.2024 तक	छपारा, प्रांत - लाडनूं (नागौर) **संपर्क सूत्र** - श्री रविंद्र सिंह छपारा - 9649740225
03.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	सांतलपुर, जिला - पाटन (गुजरात)
04.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	डेल गांव, तहसील थराद, जिला - बनासकांठा (गुजरात)
05.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	वरियाडा, तहसील - शिव, जिला - बाड़मेर
06.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	चाडी, तहसील - रामसर, जिला - बाड़मेर
07.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	हदां, प्रांत - नोखा, (बीकानेर से बसें उपलब्ध हैं) **संपर्क सूत्र** - 9928514502
08.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	दुलमेरा, प्रांत - बीकानेर ग्रामीण, (बीकानेर से बसें उपलब्ध हैं) **संपर्क सूत्र**-श्री नारायण सिंह किस्तुरिया - 9782705887
09.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	श्री सिगोतर माताजी मंदिर इशरोल, जिला - सांचौर (हाडेचा से बस द्वारा गोमी उतरें, वहां से टैक्सी की व्यवस्था है।) **संपर्क सूत्र** - हीर सिंह कीलवा - 9982985954, ईश्वर सिंह चौरा - 9982411848
10.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	श्री आशापुरा माताजी मंदिर धामसीन, रानीवाड़ा, जिला - जालौर, (रानीवाड़ा से बस व टैक्सी उपलब्ध है) **संपर्क सूत्र**- प्रवीण सिंह सुरावा - 9660080210, रेवंत सिंह जाखड़ी - 9887636320
11.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	अखाधणा, जिला फलोदी।
12.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	रावलगढ़, तहसील शेरगढ़, जोधपुर
13.	प्रा.प्र.शि.	23.08.2024 से 26.08.2024 तक	बजटा, केकड़ी, रामथला चौराहा, जिला-अजमेर
14.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	मसीतावाली हैड, जिला-अनूपगढ़
15.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	श्री जलंधर नाथ जी मंदिर धाणसा, तहसील भीनमाल, जिला जालौर, (जालौर-भीनमाल रेल मार्ग से मोदरान स्टेशन उतरें, वहां से निजी बसें उपलब्ध हैं।) **संपर्क सूत्र** - विक्रम सिंह धाणसा - 8107135547
16.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	श्री कांबेश्वर महादेव मंदिर काना कोलार बेड़ा, जिला - पाली, (शिवगंज व बेड़ा गांव से बसें व टैक्सी उपलब्ध हैं।) **संपर्क सूत्र** मंगल सिंह बेड़ा-7073705963, उदय सिंह बेड़ा - 9413500869
17.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	कानासर, तहसील एवं जिला - बीकानेर
18.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	अनापुर छोटा, तह.-धानेरा, जिला-बनासकांठा (गुजरात)
19.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 26.08.2024 तक	मालपुर, तहसील - मालपुर, जिला - अरवल्ली (गुजरात) **संपर्क सूत्र**- 9428027928
20.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	नुआ, रतनगढ़, जिला - चुरू **संपर्क सूत्र**- 8209765794
21.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	बांदरा, प्रांत - बाड़मेर ग्रामीण (बाड़मेर से कवास मार्ग पर)
22.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	मालण माता, हरसाणी से रोहिड़ाला मार्ग पर स्थित जिला-बाड़मेर।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

रूप सिंह परेऊ को स्वर्ण पदक

बालोतरा जिले के परेऊ गांव के निवासी रूप सिंह ने राजस्थानी भाषा से स्नातकोत्तर में पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्हें 10 जुलाई को कोटा में आयोजित वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के 16वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलपति द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक रूप सिंह वर्तमान में पंचायत समिति देचू में अतिरिक्त विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत है। उन्होंने पांच विषयों में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है, साथ ही राजस्थानी विषय में नेट-स्लेट की परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। वर्तमान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में पीएचडी भी कर रहे हैं।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओं के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

समारोहपूर्वक मनाई जाएगी अनंगपाल तोमर की जयंती

श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में एक बैठक का आयोजन रामदेवरा में स्थित तंवर समाज के सभा भवन में 14 जुलाई को किया गया। बैठक में चार अगस्त को रुणिचा कुंआ स्थित कुलदेवी चिलाय माता मंदिर प्रांगण में दिल्ली के चक्रवर्ती क्षत्रिय सम्राट अनंगपाल तोमर की जयंती समारोह पूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। भूतपूर्व सैनिक मैराज सिंह तंवर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे पूर्वज की जयंती मनाने का आग्रह श्री क्षत्रिय युवक संघ हमसे कर रहा है। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानीसिंह मुंगेरिया ने कहा कि संघ समाज से भिन्न नहीं है। हम एक ही परिवार के सदस्य की तरह एक दूसरे के सहयोगी हैं। जैसलमेर संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय ने कहा कि शुद्ध और पवित्र

भाव से किए जाने वाले कार्य का परिणाम निश्चित ही सुखदायी होगा। रामदेवरा सरपंच समन्दर सिंह तंवर, किशोर सिंह विरमदेवरा ने भी अपने विचार रखे। बैठक में उपसरपंच खींवसिंह, भंवरसिंह, प्रयाग सिंह, माधोसिंह, स्वरूप सिंह, बींजराज सिंह, भोम सिंह आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

पीलवा में मनाई उदयभाण जी चांपावत की जयंती

जोधपुर जिले की देचू तहसील के पीलवा गांव में उदयभाणजी चांपावत की 362वीं जयंती पीलवा स्थित उनके स्मारक पर 11 जुलाई को समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पीलवा के चांपावतों के मूल पुरुष वीर उदयभाण जी के जीवन चरित्र के बारे में बताया और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की बात कही, साथ ही हमारे पूर्वजों की स्मृति को संजोए रखने वाले ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए प्रयास करने की आवश्यकता बताई। समारोह में उदयभाण जी के इतिहास से संबंधित तथ्यों पर लिखित स्मारिका का विमोचन किया गया एवं समाज के विद्यार्थियों के लिए साफा बांधने व वंशावली स्मरण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा में

उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खिलाड़ियों व राजकीय सेवा में चयनित समाज के युवाओं सहित 80 प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया।

त्रिपुरदमन सिंह को मिला डैन डेविड पुरस्कार

भदावर राजघराने के सदस्य त्रिपुरदमन सिंह, जो यूनिवर्सिटी आफ लंदन के इंस्टिट्यूट ऑफ कॉमनवेल्थ स्टडीज के फेलो हैं, को वर्ष 2024 के डैन डेविड पुरस्कार के लिए चुना गया है। इतिहास के क्षेत्र में दिए जाने वाले विश्व के सबसे बड़े सम्मान डैन डेविड पुरस्कार के लिए इस वर्ष चुने गए नौ शोधार्थियों में वह इकलौते भारतीय है। डैन डेविड फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले इस पुरस्कार के अंतर्गत प्रत्येक शोधार्थी को 3 लाख डॉलर की धनराशि उनके शोध में सहयोग हेतु प्रदान की जाती है। 36 वर्षीय त्रिपुरदमन सिंह ने यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक से पॉलिटिक्स और इंटरनेशनल स्टडीज में स्नातक किया है। उन्होंने मॉडर्न साउथ एशियन स्टडीज में एमफिल और यूनिवर्सिटीज आफ कैंब्रिज से इतिहास में पीएचडी की है। वे रॉयल एशियाटिक सोसाइटी के फेलो भी हैं और उन्हें भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद से भी फैलोशिप पुरस्कार मिल चुका है। त्रिपुरदमन को भारतीय उपमहाद्वीप क्षेत्र में उपनिवेशवाद, विउपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और भारतीय लोकतंत्र के उदय विषय पर उनके शोध के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्होंने अनेक पुस्तकें भी लिखी हैं और उनकी पुस्तक 'इंपीरियल सोवरेनिटी एंड लोकल पॉलिटिक्स' कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित की गई है।

नोएडा में राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में दिल्ली के निकटवर्ती नोएडा के सेक्टर 93 में स्थित एलडीके अपार्टमेंट में 11 जुलाई को क्षत्रिय समाज की बैठक रखी गई जिसमें विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए महासभा के प्रदेश महामंत्री शेषनाथ सिंह व क्षत्रिय सेवा समिति के संस्थापक इंजि. वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा कि आज हम अपने पूर्वजों की धरोहर और संस्कृति को भूलते जा रहे हैं, उनके दिखाए आदर्शों को भूलते जा रहे हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए समाज में जागृति लानी होगी। सामाजिक कुरीतियों को दूर करना होगा और समाज के वंचित वर्ग को भी सक्षम बनाना होगा। क्षत्रिय समाज की वास्तविक उन्नति के लिए सामाजिक, शैक्षिक व बौद्धिक विकास जरूरी है। राकेश सिंह परमार ने कहा कि समाज को राजनीतिक रूप से जागरूक बनना होगा जिससे वह किसी के बहकावे में नहीं आए। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस के सिंह, वरिष्ठ व्यवसायी एस पी सिंह ने भी अपने विचार रखे। गाजियाबाद के जीएसटी कमिश्नर विनोद सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बालकेशवर सिंह, जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंह, मीडिया प्रभारी आर पी सिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

भूपेंद्र चौहान बने एचएसएससी के सदस्य

हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम जिले के वजीरपुर गांव के निवासी भूपेन्द्र चौहान पुत्र अनिमेष चौहान को हरियाणा स्टाफ सलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता चौहान इससे पूर्व गुरुग्राम जिला भाजपा अध्यक्ष एव भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य भी रह चुके हैं।

सांचौर में राव बल्लूजी स्मारक का अनावरण

सांचौर शहर में तहसील कार्यालय के पास स्थित राव बल्लू जी चौराहे पर राव बल्लू जी के स्मारक का अनावरण 14 जुलाई को किया गया। अनावरण कार्यक्रम राव मोहन सिंह, राम सिंह, हिंदू सिंह और महावीर सिंह दांतिया के आतिथ्य में संपन्न हुआ। सभी वक्ताओं ने राव बल्लू जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके द्वारा रखे गए आदर्शों का अनुसरण करने की बात कही।

गजेंद्र सिंह, कान सिंह, सुरसिंह सहित अनेकों समाजबंधु इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मुनिरका (दिल्ली) में राजपूताना समाज दिल्ली की बैठक संपन्न

नई दिल्ली के मुनिरका क्षेत्र में 21 जुलाई को राजपूताना समाज दिल्ली की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान से आए हुए सहभागी राजपूत परिवार के इंजी. महावीर सिंह शेखावत एवं अन्य सहयोगी भी शामिल हुए। बैठक में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई एवं सभी ने समाज में जागृति लाने हेतु मिलकर कार्य करने की बात कही।

पूज्य तनसिंह जी को नमन कर किया नशामुक्त विवाह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के बाड़मेर संभाग के गुड़ामालानी प्रान्त के प्रांत प्रमुख गणपत सिंह बूठ के पुत्र व संघ के स्वयंसेवक जोगराज सिंह बूठ का विवाह संघ के स्वयंसेवक हरि सिंह उण्डखा की पुत्री के साथ 11 जुलाई को सम्पन्न हुआ जो नशे एवं दिखावे से पूर्णतया मुक्त रहा। बूठ से उण्डखा जाते समय बारात पू. तनसिंह जी के गांव रामदेरिया पहुँची, जहाँ पूज्य श्री की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर प्रार्थना की व उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

अंशु जामवाल ने संभाली वायु रक्षा यूनिट की कमान

कर्नल अंशु जामवाल भारतीय सेना की वायु रक्षा यूनिट की कमान संभालने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनी है। 17 जुलाई 2024 को उन्होंने ऑपरेशनल एयर डिफेंस रेजीमेंट की कमान संभाली। जम्मू के राहया गांव की मूल निवासी अंशु को चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकेडमी से प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 18 मार्च 2006 को सेना में कमीशन मिला था। वे संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भी मिलिट्री ऑब्जर्वर के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं।

हीया शेखावत का अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन

जयपुर निवासी हीया शेखावत का नेपाल की राजधानी काठमांडू में अगस्त 2024 में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय गोजू रियू कराटे चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। हीया ने जयपुर में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय गोजू रियू कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था जिसके फलस्वरूप उन्हें अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया। वह जिला एवं राज्य स्तर पर भी अनेक पदक जीत चुकी है। हीया शेखावत श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक चंदन सिंह चांदेसरा की दोहिती है।

(पृष्ठ एक का शेष)

संघ को...

स्वयं का अस्तित्व मिटाकर जो समूह बनता है उसी का नाम संघ है और ऐसे लोगों का समूह ही श्री क्षत्रिय युवक संघ है। श्री क्षत्रिय युवक संघ कहता है कि यदि हम इस मार्ग पर पूरी निष्ठा से चलते रहेंगे तो हमारे अन्य सभी लक्ष्य स्वयं सध जाएंगे। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख माननीय श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने अपने मुंबई प्रवास के दौरान स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओं से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम संघ से जुड़े हैं, यह महत्वपूर्ण बात है लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। हम हमारे जैसे सैकड़ो बंधुओं को संघ से जोड़ें और हमारे बच्चों को भी संघ में लाएं जिससे हम सबका एक लक्ष्य बने, यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि संघ लोक संग्रह का कार्य कर रहा है। यह ईश्वरीय प्रेरणा से होने वाला कार्य है इसलिए इस कार्य में ईश्वरीय सहयोग भी प्राप्त होता है। शर्त केवल इतनी ही है कि हम स्वयं इस मार्ग पर चल पड़ें। विभिन्न संभागों में प्रवास के क्रम में माननीय संघप्रमुख श्री 13-14 जुलाई को मुंबई के प्रवास पर रहे। उनके सान्निध्य में मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले स्वयंसेवकों के स्नेहमिलन अलग-अलग सत्र में रखे गए। इन सत्रों में पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी समारोह के सहयोगियों, दक्षिण मुंबई प्रांत की शाखाओं के स्वयंसेवकों, उत्तर मुंबई प्रांत की शाखाओं के स्वयंसेवकों एवं भायंदर क्षेत्र के स्वयंसेवकों के साथ अलग-अलग स्नेहमिलन रखे गए। संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में मातृशक्ति स्नेहमिलन भी भायंदर में रखा गया जिसमें दुर्गा महिला शाखा की स्वयंसेविकाएं शामिल हुई। संघप्रमुख श्री ने शाखा में नियमितता और निरंतरता का महत्व समझाया और कहा कि नियमितता और निरंतरता से किया जाने वाला हर कार्य अवश्य सफल होता है। शाखा लगाने वाले स्वयंसेवक के लिए आवश्यक है कि वह अपने भीतर निराशा ना आने दे और दृढ़ संकल्पित रहे। संख्या बढ़ाने के लिए शाखा में रुचि पैदा करने के प्रयास करते रहें तो संख्या अपने आप बढ़ेगी। संघ की शाखाओं से हम अपने आप को ऊर्जावान बनाएं और अन्यों के लिए प्रेरणा बनें। संघ समाज के निर्माण का नहीं बल्कि स्वयं के निर्माण का मार्ग है। संघ के स्वयंसेवक के रूप में हमें अपनी जिम्मेदारी का भान रहे। यदि हम श्रेष्ठ आचरण करेंगे तो शाखा में आने वाले भी वैसा ही करेंगे और यदि हमारे आचरण में ही गड़बड़ होगी तो पूरी श्रृंखला गड़बड़ हो जाएगी। हम सोएं नहीं, हमेशा जागृत रहें। हम ऐसा जीवन जिएं कि लोगों के लिए हम प्रेरणा देने वाले बन जाएं। संघ में मिले दायित्व को हम पद नहीं बल्कि कर्तव्य मानकर कार्य करें। हम सबको तनसिंह जी का प्रतिनिधि बनकर संघ का कार्य करना होगा। संघ का कार्य कठिन है लेकिन यह कार्य करने का अवसर भाग्यशाली व्यक्तियों को ही मिलता है। 14 जुलाई को श्री राजस्थान राजपूत परिषद मुंबई महाराष्ट्र ट्रस्टबोर्ड के अध्यक्ष रतन सिंह जी तूरा के निवास पर भी संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में कार्यक्रम रखा गया जिसमें परिषद के पदाधिकारी एवं सहयोगी उपस्थित रहे। संभाग प्रमुख रणजीत सिंह आलासन सहयोगियों सहित कार्यक्रमों में उपस्थित रहे।

चार शिविरों...

उन्होंने शिविर के प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि व्यक्ति निर्माण का कार्य बहुत कठिन है, क्योंकि इसमें केवल ज्ञान या जानकारी प्राप्त कर लेना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि उस ज्ञान को अपने चरित्र का अंग बनाना और उसके अनुसार कर्म करना भी आवश्यक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य भी व्यक्ति निर्माण का कार्य है इसलिए आपको यहां मिले हुए शिक्षण को निरंतर अभ्यास द्वारा अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना है। इसके लिए बार-बार शिविरों में भाग लेते रहें और संघ की शाखाओं में भी नियमित रूप से आते रहें। शिविर में शिविरार्थियों को संघ की शिक्षण प्रणाली और हमारे गौरवशाली इतिहास एवं संस्कृति के बारे में जानकारी दी गई और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से क्षत्रियोचित संस्कारों का अभ्यास कराया गया। शिविर में बाड़मेर शहर प्रांत की 15 शाखाओं एवं निकटवर्ती गांवों के 200 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर संभाग के शेरगढ़ प्रांत के हनुमंत नगर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। फलोदी प्रांत प्रमुख भवानी सिंह पीलवा ने शिविर का संचालन किया। प्रथम दिन स्वागत कार्यक्रम के समय उन्होंने कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी की समाज के प्रति जो पीड़ा थी, वह हम सबकी भी पीड़ा बन जाए, इसी उद्देश्य से संघ इन शिविरों का आयोजन कर रहा है। इसीलिए इन चार दिनों में जागरूक रहकर यहां की प्रत्येक गतिविधि में मनोयोग से भाग लेवें। शिविर के अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए शिविर संचालक ने कहा कि हमें अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित त्याग और बलिदान की परंपरा को अक्षुण्ण रखना है। क्षत्रिय ने सदैव संस्कृति, राष्ट्र, धर्म और प्राणी मात्र की रक्षा के लिए बलिदान दिया है। उसी क्षात्रधर्म का पालन करने के लिए पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। यह एक ऐसी पाठशाला है जिसमें शिक्षण प्राप्त करके हम शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और वैचारिक रूप से मजबूत बनते हैं और ऐसे मजबूत व सामर्थ्यवान व्यक्तियों से ही समाज व राष्ट्र भी शक्तिशाली बन सकता है। शिविर में शेरगढ़ प्रांत के विभिन्न गांवों से 65 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नारोली

राजकोट

(पृष्ठ चार का शेष)

संघ को...

इन अभावों के प्रभाव के कारण समाज में जो शिथिलता आई है उसको दूर करने के लिए संघ की प्रेरणा से श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन समाज की युवाशक्ति को तैयार करने का काम विगत 5 वर्षों से कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को अपने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक हितों की रक्षार्थ सजग रहना होगा। हमें अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित मानबिंदुओ पर खरा उतरते हुए विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में सीकर व नीमकाथाना जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे 75 युवाओं ने भाग लिया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर, डीडवाना प्रांत प्रमुख जयसिंह सागूबड़ी, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के जिला प्रभारी सुरेन्द्र सिंह तंवरा, सामी सरपंच सुरेन्द्र सिंह, सांवलोदा धायलान सरपंच बृजेंद्र सिंह, पलसाना सरपंच रूप सिंह , उप सरपंच बजरंग सिंह बरसिंहपुरा, जरामसिंह डाबला, गिरवर सिंह भुदोली, रमनसिंह छिंछास, जितेंद्र सिंह मंडेला, एडवोकेट भवानी सिंह जेरठी, मूलसिंह बरसिंहपुरा, ओमपाल सिंह रायधणा सहित अनेकों सहयोगी उपस्थित रहे।

एक परमेश्वर...

हमारा शरीर तो वहां है लेकिन हमारा मन कहां चला जाता है? यदि वह बाहर दौड़ रहा है तो पूजा नहीं हुई। आप लोग यह विचार करें, क्या आपका भी मन भटकता है? यदि मन स्थिर नहीं है तो साधना के द्वारा वह स्थिर हो सकता है। मन को स्थिर करने के लिए गीता उपयोगी शास्त्र है। यदि गीता पढ़ते हैं तो मन स्थिर हो सकता है क्योंकि उसमें भगवान ने अर्जुन को इसका उपाय बताया है। अर्जुन पूछते हैं कि यह हवा की गति से भी तेज चलने वाला मन है, इसको मैं कैसे स्थिर करूं? अर्जुन के प्रश्न का भगवान ने उत्तर दिया कि मन को नियंत्रित करने के दो ही उपाय है - अभ्यास का और वैराग्य का। अभ्यास का अर्थ है एक कार्य की बार-बार पुनरावृत्ति करना और वैराग्य का अर्थ केवल गेरुआ वस्त्र धारण करना नहीं है, बल्कि वैराग्य का अर्थ है राग का, लगाव का, आसक्ति का ना होना। क्या आप लोगों का घर में लगाव नहीं है, धन आदि में लगाव नहीं है? हमारा सबका लगाव है और जब तक लगाव है तब तक जीवन में स्थिरता नहीं आती है। परिवार में रहना जरूर है लेकिन उसमें लगाव नहीं रखना है, आसक्ति नहीं रखनी है। यह पूज्य श्री तनसिंह जी के साहित्य में, उनके जीवन में झलकता है। गीता में भगवान कृष्ण गुरु है और अर्जुन शिष्य है। संघ में पूज्य तनसिंह जी गुरु है और स्वयंसेवक शिष्य हैं। दोनों बातें एक ही हैं। तनसिंह जी को समझ लिया तो गीता समझ में आ जाएगी और गीता को समझ लिया तो तनसिंह जी समझ में आ जाएंगे। गुरु क्या है, शिष्य क्या है, यह भी समझ में आ जाएगा। कार्यक्रम में जयपुर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक सपरिवार सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त राजस्थान के विभिन्न जिलों से एवं गुजरात से भी स्वयंसेवक गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संरक्षक श्री का सान्निध्य प्राप्त करने संघशक्ति पहुंचे। माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भजन व कीर्तन भी हुआ।

शिंभू सिंह आसरवा को पितृशोक

श्री गोपाल सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक शिंभू सिंह आसरवा के पिता **श्री गोपाल सिंह जी** का देहावसान 17 जुलाई 2024 को 79 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

शंकर सिंह दीपपुरा को पुत्रशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक शंकर सिंह जी दीपपुरा के पुत्र **चंद्रसेन सिंह दीपपुरा** का निधन 27 जुलाई 2024 को हो गया। वे वर्तमान में अफ्रीकी देश केन्या में कार्यरत थे। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

मदन सिंह बामणियां को मातृशोक

श्रीमती उगम कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक मदन सिंह बामणियां के माताजी एवं मनरूप सिंह बामणियां के दादीसा **श्रीमती उगम कंवर** धर्मपत्नी स्व. श्री सवाई सिंह जी राठौड़ का देहावसान 13 जुलाई को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

छत्तर सिंह देवन्दी को मातृशोक

श्रीमती हंस कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक श्री छतर सिंह देवन्दी की **माताजी श्रीमती हंस कंवर** धर्मपत्नी स्वर्गीय हमीर सिंह जी देवन्दी का देहावसान 15 जुलाई को 96 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री गणपत सिंह सिन्धल

(गांव–नया प्रतापगढ़) के

पुत्र प्रवीण सिंह के

चार्टेड अकाउंटेंट (CA)

बनने एवं पुत्री

राजू कँवर

के Ph.D. करने पर हार्दिक बधाई
एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

प्रतिष्ठान : **गणपत टैक्सटाईल्स** 176, न्यू क्लोथ मार्केट, अहमदाबाद

शुभेच्छु

देवीसिंह
(विनायक सीमेन्ट एजेन्सी, चांदराई)

कुन्दन सिंह
(महालक्ष्मी ऑटो सेन्टर, चैन्नई)

मदन सिंह
(नारी ब्यूटी सेन्टर, भिवंडी)

अर्जुन सिंह
(शिव-शक्ति इन्टरप्राईजेज, न्यू मुंबई)

चन्दन सिंह V

मीठू सिंह

गंगा सिंह

चन्दन सिंह N

मान सिंह

ईश्वर सिंह

एवं समस्त सिन्धल (राठौड़) परिवार प्रतापगढ़ एवं
नया प्रतापगढ़ (गोलिया) तह.– भाद्राजून जिला– जालोर (राज.)

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org